Date
30/04/2020

TEACHING OF SCIENCE

D.El.Ed IVth Sem

Topic- प्राकृतिक एवं कृत्रिम चुम्बक

Period- Ist

प्राकृतिक चुम्बक ⇒

प्राकृतिक चुम्बक प्रकृति में पाये जाने वाला एक पत्थर है जो लोहे के छोटे छोटे टुकड़ों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह पत्थर लोहे का ऑक्साइड (Fe_3O_4) है। इसकी कोई निश्चित आकृति नहीं होती है।

कृत्रिम चुम्बक ⇒

कुछ पदार्थों को कृत्रिम विधियों द्वारा चुम्बक बनाया जा सकता है, जैसे - लोहा, इस्पात, कोबाल्ट आदि। इन्हें कृत्रिम चुम्बक कहते हैं। ये विभिन्न आकृतियों की होती है।

जैसे - छड़ चुम्बक, घोड़ानाल चुम्बक, चुम्बकीय सुई आदि

Note कृत्रिम चुम्बक को लोहे के टुकड़ा को आकर्षित करने की शक्ति, प्राकृतिक चुम्बकों की अपेक्षा कई अधिक होती है।

चुम्बक के गुण (Properties of Magnet) ⇒

चुम्बक के प्रमुख गुण निम्न प्रकार है-

Scanned with CamScanner

1⇒ चुम्बक लोहे को अपनी ओर आकर्षित करता है।

2⇒ चुम्बक को क्षैतिज तल में स्वतन्त्रतापूर्वक लटकाने पर उसका एक ध्रुव सदैव उत्तर की ओर तथा दूसरा ध्रुव सदैव दक्षिण की ओर ठहरता है।

3⇒ चुम्बक चुम्बकीय पदार्थों में प्रेरण द्वारा चुम्बकत्व उत्पन्न कर देता है।

4⇒ एक अकेले चुम्बकीय ध्रुव का कोई अस्तित्व नहीं होता है।

5 ⇒ दो चुम्बकों के विजातीय ध्रुव एक दूसरे को आकर्षित करते हैं। सजातीय ध्रुव एक दूसरे को प्रतिकर्षित करते हैं।

Continue

Utkarsh
30/04/2020

Scanned with CamScanner